This question paper contains 8+4 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

5274

B.A. (Programme)/I **A**

HINDI LANGUAGE (A)—Paper I

हिंदी भाषा (क)—प्रश्नपत्र I

(प्रवेशवर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी : प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

P.T.O.

1 निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10+10=20

(क) यह कहना कि समाज व्यक्ति के संपूर्ण जीवन में व्याप्त है, सत्य की उपेक्षा करना होगा। साधारणत: मानवीय स्वभाव का अधिकांश समाज के शासन में नहीं रहता, क्योंकि वह बंधन से परे है। मनुष्य के जीवन का जितना अंश धर्म, शिक्षा आदि की भिन्न-भिन्न सामाजिक संस्थाओं के संपर्क में आता है, उतना ही समाज द्वारा शासित समझा जाता है और उतने ही से हम उसके विषय में अपनी धारणा बनाते रहते हैं। समाज यदि मनुष्यों का समूह मात्र नहीं है तो मनुष्य भी केवल क्रियाओं का समूह नहीं। दोनों के पीछे सामूहिक और व्यक्तिगत इच्छा, हर्ष और दु:खों की प्रेरणा है।

(i) उपर्युक्त अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? उसका शीर्षक व लेखक का नाम भी लिखिए।

(*ii*) 'यह कहना कि समाज व्यक्ति के संपूर्ण जीवन में व्याप्त है, सत्य की उपेक्षा करना होगा', क्यों ?

(*iii*) 'समाज यदि मनुष्यों का समूह मात्र नहीं है तो मनुष्य भी केवल क्रियाओं का समूह नहीं'—कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) समाज और व्यक्ति क्या एक दूसरे के पूरक हैं ? अपना मत प्रकट कीजिए।

(*v*) विलोम लिखिए : जीवन, सत्य, उपेक्षा, मानवीय, सामाजिक।

(ख) हर नई आर्थिक प्रणाली की अपनी नैतिकताएँ होती हैं, जैसे—हमारी पारंपरिक अर्थव्यवस्था की अपनी नैतिकताएँ थीं, मूल्य थे। अर्थव्यवस्था में बदलाव के साथ-साथ मान्य नैतिकताओं, मूल्यों को जिस तरह से परिवर्तित व संवर्धित होना चाहिए था, वह नहीं हुआ, जिसकी वजह से आज नैतिक शून्य की स्थिति पैदा हुई है। बहुत सारे संकट इसी कारण उत्पन्न हो रहे हैं। आज हर क्षेत्र में इसी कारण नैतिक अनिश्चितता

और असंयम और अनुशासनहीनता पैदा हुई है कि पुरानी नैतिक व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और नई व्यवस्था की संरचना अभी हुई नहीं है।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद के पाठ का शीर्षक और रचनाकार का नाम लिखिए।

(*ii*) 'हर नई आर्थिक प्रणाली की अपनी नैतिकताएँ होती हैं।' इस कथन से लेखक का क्या तात्पर्य है ?

(*iii*) उपर्युक्त अनुच्छेद से **पाँच** तत्सम शब्द लिखिए।

(*iv*) 'नए समाज में नैतिक मूल्यों की रिक्तता' विषय पर टिप्पणी लिखिए।

(*v*) 'पुरानी नैतिक व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और नई व्यवस्था की संरचना अभी हुई नहीं है।' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) काल्पनिक और वास्तविक की चर्चा के संबंध में कहूँ तो सजीव, विश्वसनीय लेखन के लिए जरूरी नहीं कि जीवन में से उठाई गई किसी घटना का

यथावत् चित्रण कर दिया जाए। बल्कि मैं तो कहूँगा कि कभी-कभी वास्तविकता का यथावत् चित्रण इतना प्रभावशाली नहीं होता जितना कल्पना की मदद से किया गया चित्रण। कल्पना की उड़ान से मतलब मनगढ़न्त चित्रण नहीं है। कथानक के विकास के अनुरूप ही आपके पात्रों का व्यवहार होगा। और आपकी कल्पना द्वारा नई-नई स्थितियों का आविष्कार भी। बेशक, वास्तविकता की जानकारी आधार का काम करेगी, पर उसके अंदर पाई जाने वाली सच्चाई का उद्घाटन कल्पना द्वारा ही होगा। वरना आप पढ़ते रहिए, तथ्य और आँकड़े बटोरते रहिए, जितना अधिक आप किसी रचना को जानकारी के आधार पर तथ्य-आँकड़ों की मदद से लिखेंगे, उतनी ही रचना कमजोर होती जाएगी।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है। पाठ और पाठ के लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) 'कल्पना की उड़ान से मतलब मनगढ़न्त चित्रण नहीं है।' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

(*iii*) 'जितना अधिक आप किसी रचना की जानकारी के आधार पर तथ्य--आँकड़ों की मदद से लिखेंगे, उतनी ही रचना कमजोर होती जाएगी।'—क्यों ?

(*iv*) कल्पना और वास्तविकता का अंतर स्पष्ट कीजिए।

(*v*) विलोम लिखिए : वास्तविक, विश्वसनीय, कल्पना, कमजोर।

2. निम्नलिखित अनुच्छेद के नीचे दिए गये प्रश्नों के आधार पर अनुच्छेद का विश्लेषण कीजिए :

अर्थ, अस्त्र और सूचना—हमारे समय के केन्द्र में तीन शक्तियाँ हैं। फिलहाल ये ऐसे हाथों में हैं जिनके पीछे न किसी ऐतिहासिक काल का दबाव है, न वैश्विक शील का। ये हाथ सब कुछ प्रायोजित कर सकते हैं—बाज़ार, समर और सूचना; ऐसे तर्क गढ़ते हैं जिनके पीछे कोई तार्किकता नहीं होती, लेकिन दुनिया को चुपचाप उन्हें स्वीकार करना पड़ता है। इनकी विकराल प्रतिहिंसा के आगे नतमस्तक 'संयुक्त राष्ट्र' का अनस्तित्व देखने लायक है। ये लक्षण प्रलय के हैं जो राष्ट्र राज्य की अवधारणा को ध्वस्त करते

हैं, उनकी अस्मिता और स्वायत्तता की अवमानना करते हैं। ये हाथ अमेरिका के हैं।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद का केन्द्रीय भाव लिखिए। 2

(*ii*) 'अर्थ, अस्त्र और सूचना—हमारे समय के केंद्र में तीन शक्तियाँ हैं।' इस कथन का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए। 4

(*iii*) 'ये हाथ अमेरिका के हैं।' इस कथन की व्याख्या कीजिए। 4

3. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) किसी भी देश के संदर्भ में उसके इतिहास और साहित्य की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

(साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है)

(*ii*) विकास सिद्धांत में किन-किन विषयों की व्याख्या की गई है, उल्लेख कीजिए।

(विज्ञान और धर्म)

(*iii*) धार्मिक एवं दार्शनिक दृष्टि से काशी के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(गुण्डा)

(*iv*) प्रेमचन्द रचित उपन्यासों में व्यक्त विभिन्न समस्याओं का उल्लेख कीजिए।

(आधुनिक हिंदी साहित्य की राजनीतिक विरासत)

(v) 'राम-राम के पहर' से लेखक का क्या अभिप्राय है ? (भाषा बहता नीर)

(vi) आज़ादी के बाद केरल क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख कीजिए।

(बदलता भारतीय समाज : बहुआयामी दृष्टि)

(vii) लेखक के किन्हीं **पाँच** कांग्रेसी साथियों का नामोल्लेख कीजिए। (आज के अतीत)

'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(i) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' की कहानी अन्य उपन्यासों की कहानी से भिन्न क्यों है ?

(ii) 'घोड़े की नाल' का जमुना के वैवाहिक जीवन में क्या महत्व था ?

(iii) माणिक मुल्ला का सत्ती से कैसे परिचय हुआ ?

(iv) चमन ठाकुर का सत्ती से क्या संबंध है ?

(v) लिली और तन्ना के आपस में क्या संबंध थे ?

(vi) उपन्यासकार ने इस उपन्यास में किस प्रकार के समाज का चित्र प्रस्तुत किया है ?

(vii) माणिक मुल्ला के जीवन में कितनी स्त्रियाँ आती हैं ?

अथवा

'यात्राएँ' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) सिगरी उनसत के घर का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(*ii*) 'सपनों के शिखर तक' यात्रा-वृत्तांत के माध्यम से लेखक ने पहाड़ी-जीवन के बारे में क्या अनुभव व्यक्त किए हैं ?

(*iii*) 'झेलम से हरिन बांगा तक' शीर्षक के अन्तर्गत किसी एक मार्मिक घटना का वर्णन कीजिए, जो इस पाठ को रोचक बनाती है।

(*iv*) कुशीनारा क्या है ? लेखक ने इस स्थान के महत्व के बारे में अपने यात्रा-वृत्तांत में क्या लिखा है ?

(*v*) महात्मा बुद्ध के जीवन के अंतिम दिन कहाँ बीते और उनकी मृत्यु कैसे हुई ?

(*vi*) 'बार बिकन सेंटर' क्या है ? लेखक वहाँ क्यों गए थे ?

(*vii*) रॉबिन हुड कौन है ?

5. किसी **एक** विषय पर परिचर्चा **अथवा** विस्तृत टिप्पणी लिखिए : 8

(*i*) समलैंगिकता;

(*ii*) ब्लॉग की दुनिया;

(*iii*) देश की पहली महिला राष्ट्रपति।

6. नीचे दिये गये संवादों को कथांश में रूपांतरित कीजिए : 5

दयाराम : देखो अभी सब किए देते हैं। बलबीर कर रहा था धर्मपुत्र का पार्ट, सो वह हरि कर लेगा। क्यों हरि तुम्हें तो याद है ?

हरि : आप कहेंगे तो कर लूँगा। यों मैंने अपना पार्ट अच्छी तरह याद कर रखा है और अब तो वह मुझे पसन्द भी है।

दयाराम : तो भाई अब तुम अर्जुन के बदले धर्मपुत्र युधिष्ठिर समझो।

हरि : अर्जुन का पार्ट कौन करेगा ?

दयाराम : अर्जुन का पार्ट कर लेगा दीवान। वह चाहता भी था अर्जुन का पार्ट करना।

धनपति : मैं कहना भूल गया, दीवान के गाँव से तार आया है, उसकी दादी सख्त बीमार है।

भगवन्त : शुक्र है मर नहीं गई।

धनपति : वह आज रात की गाड़ी से जा रहा है।

श्याम : लीजिए अब धर्मपुत्र का ही नहीं, भीम का भी प्रबंध कीजिए।

7. (क) शब्दकोश का महत्व बताते हुए किन्हीं दो कोशों के नाम लिखिए। 4

(ख) हिन्दी शब्दकोश में प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 4

सीमान्त, चुपचाप, सड़क, मित्र, संसार, स्वदेशी, औरत, आंशिक, नैतिक, राष्ट्रीय, कथित, पवन, मंजुल, पश्चिम, रूढ़िवादी, दर्पण।

अथवा

किन्हीं **दो** अवधारणामूलक शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए :

प्रायोजित, तार्किक, उपभोक्तावाद, नैतिकता।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों का पदक्रम ठीक कीजिए : 4

(*i*) आज तो मानो एक व्यंग्य राष्ट्रीय यज्ञ हो गया है।

(*ii*) भारतीय समाज में उभार की प्रक्रिया तेजी से चल रही है दलितों की।

(*iii*) हिंदी के प्रचारक, लेखक वगैरह सभी बिक चुके हैं प्राय:।

(*iv*) यही वजह थी मुझे शायद कोई नहीं आया छोड़ने, क्योंकि शहर मे था कर्फ्यू।